भारत सरकार
विदेश मंत्रालय
राज्य सभा
अतारांकित प्रश्न संख्या – 2161
दिनांक 06.08.2026 को उत्तर दिए जाने के लिए

कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान तीर्थयात्रियों की सुरक्षा

2161.**श्री बाबूभाई जेसंगभाई देसाई**:

क्या **विदेश मंत्री** यह बताने की कृपा करेंगे कि:
(क) क्या सरकार ने कैलाश मानसरोवर यात्रा के दौरान प्रलेखीकरण एवं परिमट संबंधी समस्याओं के कारण नेपाल में भारतीय तीर्थयात्रियों के फंसे रहने संबंधी सूचनाओं पर गौर किया है और यदि हां, तो तत्संबंधी ब्यौरा क्या है;
(ख) विगत पाँच वर्षों के दौरान कैलाश मानसरोवर यात्रा करने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों की वर्ष-वार संख्या कितनी है;
(ग) यात्रा में व्यवधान का सामना करने वाले तथा विदेशों में भारतीय मिशनों से सहायता प्राप्त करने वाले तीर्थयात्रियों की संख्या कितनी-कितनी है; और
(घ) भविष्य में सुरक्षित, निर्बाध एवं परेशानी-मुक्त तीर्थयात्रा सुनिश्चित करने के लिए नेपाल सरकार के साथ समन्वय को सुदृढ़ करने हेतु क्या-क्या कदम उठाए गए हैं?

उत्तर
विदेश राज्य मंत्री
(श्री कीर्तवर्धन सिंह)

(क) से (घ) मंत्रालय को निजी टूर ऑपरेटरों द्वारा आयोजित यात्राओं के माध्यम से, चीन के लिए आवश्यक प्रवेश परमिट और वीजा के बिना कैलाश मानसरोवर की यात्रा के दौरान नेपाल में फंसे भारतीय नागरिकों से मदद और सहायता के अनेक अनुरोध प्राप्त हुए हैं। विदेश मंत्रालय द्वारा 27 जून 2026 को तीर्थ यात्रियों के लिए एक एडवाइजरी जारी की गई थी, जिसमें यह सुझाव दिया गया था कि वे यात्रा शुरू करने के लिए सभी आवश्यक यात्रा दस्तावेज प्राप्त होने तक भारत से अपनी यात्रा शुरू न करें।

नेपाल मार्ग से भारतीय नागरिकों की यात्रा निजी टूर ऑपरेटरों द्वारा आयोजित की जाती है और विदेश मंत्रालय के पास नेपाल मार्ग से कैलाश मानसरोवर यात्रा करने वाले भारतीय तीर्थयात्रियों की संख्या के बारे में कोई आधिकारिक जानकारी मौजूद नहीं है।

कोविड-19 महामारी के प्रकोप और उसके पश्चात चीनी पक्ष द्वारा यात्रा व्यवस्था का नवीनीकरण न किए जाने के कारण विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा 2020 से 2024 के बीच संपन्न नहीं की गई थी। सरकार ने अपनी कूटनीतिक वार्ताओं के दौरान विभिन्न स्तर पर चीनी प्राधिकारियों के साथ कैलाश मानसरोवर यात्रा को फिर से शुरू करने का मुद्दा उठाया और अंततः 2025 में यात्रा फिर से शुरू हुई। वर्ष 2025 के दौरान विदेश मंत्रालय द्वारा आयोजित कैलाश मानसरोवर यात्रा में 688 तीर्थयात्रियों ने कैलाश मानसरोवर की यात्रा की।

ऐसी स्थिति में जब कुछ भारतीय नागरिकों को नेपाल में खराब मौसम, चिकित्सा आपात स्थिति या दस्तावेज़ीकरण/प्रक्रियात्मक मुद्दों के कारण कुछ चुनौतियों का सामना करना पड़ता है, तब काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास स्थानीय प्राधिकारियों के समन्वय से उन्हें सहायता प्रदान करता है।

काठमांडू स्थित भारतीय दूतावास भारतीय तीर्थयात्रियों की सुरक्षा और कुशलता सुनिश्चित करने के लिए नेपाली प्राधिकारियों और अन्य हितधारकों के साथ कारगर समन्वय बनाए रखता है। इसमें जहाँ भी आवश्यकता हो, भारतीय नागरिकों की समय पर सुरक्षित निकासी, आश्रय, चिकित्सा उपचार और अन्य सहायता प्रदान करने जैसे कार्य शामिल होते हैं।

****